दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, बुधवार 16 जून 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 256

महत्वपूर्ण एवं खास

प्रधानमंत्री आज विवा टेक कार्यक्रम को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16 जून को शाम लगभग 4 बजे 5वें विवा टेक आयोजन में मुख्य भाषण देंगे। प्रधानमंत्री को विवा टेक 2021में मुख्य भाषण देने के लिए सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। आयोजन के अन्य प्रमुख वक्ताओं में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज और विभिन्न यूरोपीय देशों के मंत्री/सांसद शामिल हैं। इस कार्यक्रम में एप्पल के सीईओ टिम कुक, फेसबुक के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग, और माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष ब्रैड स्मिथ जैसे कॉरपोरेट नेताओं की भागीदारी भी होगी। विवा टेक यूरोप में सबसे बड़ी डिजिटल और स्टार्टअप आयोजनों में एक है। इसका आयोजन 2016 के बाद से हर वर्ष पेरिस में किया जाता है। इसका आयोजन संयुक्त रूप एक प्रमुख विज्ञापन और विपणन समूह पब्लिसिज ग्रुप और अग्रणी फ्रांसीसी मीडिया समूहलेस इकोसद्वारा किया जाता है। यह प्रौद्योगिकी नवाचार और स्टार्टअप इकोसिस्टम के हितधारकों को एक साथ लाता है। इस आयोजन में प्रदर्शनियां, पुरस्कार, पैनल चर्चा और स्टार्टअप प्रतियोगिताएं शामिल की जाती हैं।विवाटेक का 5वां संस्करण 16-19 जून 2021 को आयोजित किया जाना है।

माँ और बेटी के साथ तीन लोगों ने किया गैंगरेप

मुरादाबाद (आरएनएस)। जिले में में एक नाबालिग लड़की और उसकी मां के साथ 3 लोगों ने कथित तौर पर गैंगरेप किया। डीएसपी ने कहा,थाना बिलारी के ग्राम देवीपुर नगला में एक व्यक्ति की तहरीर में कहा गया कि बीती रात 3 व्यक्तियों ने उनकी पत्नी और बेटी के साथ गैंगरेप किया। उन्होंने बताया कि मुकदमा दर्ज़ कर लिया गया है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं ।

सरकार का यू-टर्न, लोगों के लिए चारधाम यात्रा खोलने का आदेश किया स्थगित

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड सरकार ने चमोली, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी के लोगों के लिए चारधाम यात्रा खोलने के अपने आदेश को स्थगित कर दिया है। इस बाबत तीरथ सिंह रावत सरकार के कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा, चारधाम यात्रा को लेकर नैनीताल हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। 16 जून के बाद राज्य सरकार यात्रा खोलने पर फिर से विचार करेगी। इससे पहले सरकार द्वारा चारधाम यात्रा को जिलास्तर पर अनुमति दी गई थी, लेकिन आरटी-पीसीआर निगेटिव रिपोर्ट जरूरी थी। सरकार ने जिन जिलों को यात्रा की अनुमति दी थी उनमें चमोली जिले के यात्री बद्रीनाथ धाम के दर्शन, रुद्रप्रयाग जिले की केदारनाथ धाम के दर्शन और उत्तरकाशी जिले के यात्री गंगोत्री यमुनोत्री धाम के दर्शन करने का नियम बनाया था। हालांकि सरकार ने अब आदेश स्थगित कर दिया है।

स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर केन्द्र सरकार ने प्रारंभ किया अमृत महोत्सव

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने की यादगार के तौर पर केंद्र सरकार, 'भारत का अमृत महोत्सव' का आयोजन कर रही है। इस आयोजन के तहत पिछले 75 वर्षों के दौरान नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने क्या-क्या उपलब्धियां अर्जित की हैं, इसके विषय में कार्यक्रम किये जा रहे हैं। मंत्रालय ने नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा की उपलब्धियों पर वेबिनारों की एक पूरी श्रृंखला का आयोजन किया है। ये वेबिनार 15 मार्च, 2021 को शुरू हुये हैं और 75 सप्ताह तक चलते रहेंगे।

एक अप्रैल, 2021 को भारत में सौर पार्क विषय पर एक वेबिनार हुआ। इस वेबिनार में देश में सौर पार्कों के विकास के बारे में चर्चा की गई। इस आयोजन में लगभग 350 लोगों ने हिस्सा लिया। पैनल में शामिल वक्ताओं ने इस विषय पर अनुभव साझा किये और मुख्य चुनौतियों के बारे में चर्चा की।

बायो-गैस संयंत्र निर्माताओं/विकासकर्ताओं के साथ बातचीत करने के लिये एक वेबिनार का आयोजन 12 अप्रैल, 2021 को किया गया। इसमें देश में बायो-गैस के विकास का जायजा लिया गया। वेबिनार में नई प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की गई। इस दौरान यह भी गौर किया गया कि इस क्षेत्र में किसे-कहां कामयाबी मिली है। बायो-गैस कार्यक्रम की बढ़ती चुनौतियों पर भी विचार किया गया।

एक वेबिनार 16 अप्रैल, 2021 को आयोजित किया गया था, जिसका विषय सौर ऊर्जा में अनुसंधान और नवाचार था। इसका आयोजन राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) ने किया था। यह संस्थान मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्तशासी संस्था है। वेबिनार में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में हालिया अनुसंधान और नवाचार, एनआईएसई द्वारा विकसित उत्पादों को बाजार में उतारने जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इस आयोजन में लगभग 200 लोगों ने हिस्सा लिया।

एक कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय प्रकाश वोल्टीय अनुसंधान एवं शिक्षा केंद्र (एनसीपीआरई), आईआईटी-बॉम्बे ने 26 अप्रैल, 2021 को किया था। यह आयोजन नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की पहल पर किया था। कार्यशाला का विषय प्रकाश वोल्टीय अनुसंधान एवं विकास विजन 2026ः सरकार, उद्योग और एनसीपीआरई की भूमिका था।इस कार्यशाला का लक्ष्य ऐसे विचारों को सामने लाना था, जिन्हें अमल में लाया जा सके। इसके साथ यह भी देखना था कि नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, एनसीपीआरई और उद्योग साथ मिलकर कैसे अगले दशक में 'आत्मनिर्भर भारत' का सहयोग कर सकते हैं।एक कार्यशाला केवल आमंत्रितों के लिये आयोजित की गई। इसे पांच सत्रों में बांटा गया था और इसमें नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अफसरान, आईआईटी-बॉम्बे के कई फैकल्टी सदस्यों और उद्योग के 43 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। हर सत्र में एनसीपीआरई फैकल्टी द्वारा प्रेजेंटेशन दिया गया कि अनुसंधान और विकास के बारे में वे आगे क्या देखते हैं। इसके अलावा उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा हुई और फिर सवाल-जवाब का का दौर चला। इस कार्यशाला के बाद के सत्रों में साई वेफर्स (यह ऊर्जा सम्बंधी एक कंडक्टर होता है, जो सिलीकॉन क्रिस्टल से बनता है) का निर्माण, सेल और उपकरण का निर्माण तथा परीक्षण, पी.वी. मॉड्यूल्स (फोटो वोल्टीय मॉड्यूल्स) और बीओएम घटकों (जिसमें सामग्री का पूरा हिसाब-किताब होता है), बिजली संयंत्रों का अगली पीढ़ी में विकास, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्रिड एकीकरण प्रौद्योगिकियों के निर्माण के बारे में बात हुई।

उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने जरूरतों, क्षेत्रों और विशिष्ट प्रौद्योगिकी सेक्टरों पर चर्चा की, जिनके सिलसिले में वे एनसीपीआरई के साथ सहयोग करना चाहते हैं। उद्योग जगत ने इस बात पर भी जोर दिया कि उपकरणों को चलाने के लिये कौशल विकास कार्यक्रमों की जरूरत है, ताकि कार्यरत लोगों का कौशल बढ़े और वे उत्कृष्ट प्रौद्योगिकियों से परिचित हो सकें।

'धान की भूसी आधारित बायोगैस प्रौद्योगिकी और उसका कार्यान्वयन' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन पांच मई, 2021 को किया गया। यह आयोजन राष्ट्रीय जैव-ऊर्जा संस्थान (एनआईबीई) ने किया, जो मंत्रालय के अधीन एक स्वायतशासी संस्थान है। इसमें जर्मनी की संस्था जर्मन आरई-टेक ने सहयोग किया था। भारत और जर्मनी के 20 से अधिक तकनीकी विशेषज्ञों ने धान की भूसी आधारित बायो-गैस प्रौद्योगिकी और उसकी चुनौतियां पर चर्चा की तथा इस क्षेत्र में अपने-अपने अनुभवों को साझा किया।

राम मंदिर ट्रस्ट ने केंद्र सरकार-संघ को सौंपी रिपोर्ट

» आरोपों को बताया राजनीतिक

नई दिल्ली (आरएनएस)। जमीन खरीद में भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे राम मंदिर ट्रस्ट ने मंगलवार को इससे संबंधित रिपोर्ट केंद्र सरकार के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को सौंप दी है। रिपोर्ट में आरोपों को राजनीतिक बताते हुए कहा गया है कि संबंधित जमीन को बाजार मूल्य से कम कीमत पर खरीदा गया है। गौरतलब है कि सपा और आप के आरोपों के बाद केंद्र सरकार ने जमीन खरीद मामले में ट्रस्ट से रिपोर्ट मांगी थी।

सूत्रों के मुताबिक रिपोर्ट में जमीन खरीद से संबंधित सारे दस्तावेज देने केसाथ ही पूरी खरीद प्रक्रिया को बिंदुवार समझाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राम मंदिर के विरोधी राजनीतिक कारणों से ट्रस्ट पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। रिपोर्ट में संबंधित जमीन के आसपास की जमीन की वर्तमान कीमतों की भी जानकारी दी गई है। इसके अलावा जमीन सौदे की एक-एक जानकारी से अवगत कराया गया है। ट्रस्ट ने इसे विपक्ष की साजिश करार देते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश में कुछ महीने बाद होने जा रहे विधानसभा चुनाव के कारण इस मुद्दे को तूल दिया जा रहा है।

इस पूरे मामले के तूल पकडने से सरकार और भाजप सतर्क है। पूरी कोशिश है कि इसे राजनीतिक मुद्दा बनने से रोका जाए। भाजपा भी मान रही है कि पूरा प्रकरण उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से जुड़ा है। विधानसभा चुनाव के कारण विपक्ष इसे बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश करेगा।

युवा भारतीय शोधकर्ताओं की सहायता के लिए आईजीएसटीसी इंडस्ट्रियल फेलोशिप हुई शुरू

नई दिल्ली (आरएनएस)। इंडो-जर्मन विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र (आईजीएसटीसी) औद्योगिक फेलोशिप कार्यक्रम की शुरुआत 14 जून 2021 को आईजीएसटीसी के 11वें स्थापना दिवस के अवसर पर भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रोफेसर आशुतोष शर्मा ने किया था।

प्रोफेसर आशुतोष शर्मा ने कहा, यह फेलोशिप क्षमता निर्माण को प्रोत्साहित करेगी और छात्रों कोउद्योग व अनुसंधान समाधानों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करेगी।यह युवा शोधकर्ताओं के लिए जर्मन व्यवस्था में अनुप्रयुक्त अनुसंधान,प्रौद्योगिकी विकास और औद्योगिक अनुभव को प्रोत्साहित करेगा। आईजीएसटीसी इंडस्ट्रियल फेलोशिप जर्मन उद्योगों और औद्योगिक अनुसंधान व विकास संस्थानों में औद्योगिक प्रदर्शन के लिए विज्ञान और इंजीनियरिंग में युवा भारतीय पीएचडी छात्रों और पोस्ट-डॉक्टरेट शोधकर्ताओं की सहायता करेगी। अधिकतम एक वर्ष के लिए आकर्षक अनुदान समर्थित, इसफेलोशिप का उद्देश्य युवा भारतीय शोधकर्ताओं को अनुप्रयुक्त अनुसंधान के लिए प्रेरित करना और उन्नत जर्मन औद्योगिक वातावरण में प्रदर्शन के माध्यम से नवाचार व प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने की क्षमता का निर्माण करना है। इस कार्यक्रम को आईजीएसटीसी शासकीय निकाय के सह-अध्यक्षों व सदस्यों के साथभारतीय व जर्मन सरकारों, उद्योग और अकादमिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में एक वर्चुअल बैठक में शुरू किया गया था। डीएसटी के अंतर्राष्ट्रीय विभाग के प्रमुख और आईजीएसटीसी के भारतीय सह-अध्यक्ष एसके वार्ष्णेयने सभी हितधारकों को बधाई देते हुए उल्लेख किया कि उद्योगों के अनुप्रयुक्त अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास में भारत-जर्मन सहयोग कोआगे बढ़ाकर केंद्र ने अपने लिए एक जगह बनाई है। उन्होंने सभी वैज्ञानिक एजेंसियों और उद्योग से औद्योगिक प्रासंगिकता के द्विपक्षीय वैज्ञानिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र की सेवाओं का उपयोग करने का अनुरोध किया।

स्वास्थ्य खराब होने के कारण चोकसी के मुकदमे की सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली (आरएनएस)। भगोड़े व्यवसायी मेहुल चोकसी की सुनवाई 25 जून तक के लिए स्थगित कर दी गई है। चोकसी 13,500 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में भारत में वांछित है।

चोकसी के स्वास्थ्य कारणों से सुनवाई को स्थगित किया गया है।

मामले के संबंध में ट्रायल रोसेउ मजिस्ट्रेट अदालत में शुरू होने की उम्मीद थी।

सुनवाई के दौरान डोमिनिका के दो शीर्ष आपराधिक वकीलों को इस मामले के लिए चोकसी की कानूनी टीम में जोड़ा गया है। अब जेना मूर-डायर और उनकी बेटी जीना डायर-मुनरो भी जूलियन प्रीवोस्ट, वेन नोर्डे और कारा शिलिंगफोर्ड-मार्श के साथ उनकी कानूनी टीम में शामिल हो गए हैं।

बचाव पक्ष के वकीलों ने अदालत को एक चिकित्सा दस्तावेज पेश किया, जिसमें कहा गया कि चोकसी का स्वास्थ्य ठीक नहीं है और वह फिलहाल अदालती कार्यवाही में शामिल होने में असमर्थ है।

उन्होंने आगे कहा कि अभियोजन दल ने लंदन में रहने वाले एक भारतीय मूल के वकील हरप्रीत सिंह ज्ञानी को भी शामिल किया है। वह इस मामले में अभियोजन पक्ष के सलाहकार के रूप में पेश हुए हैं।

स्टेट्स केस का नेतृत्व अटॉर्नी-एट-लॉ लेनोक्स लॉरेंस, जोडी ल्यूक और हीथर फेलिक्स इवांस की सहायता से लोक अभियोजन (डीपीपी) के कार्यवाहक निदेशक शेरमा डेलरिम्पल कर रहे हैं। इससे पहले 2 जून को, 62 वर्षीय हीरा व्यापारी ने डोमिनिका में अवैध प्रवेश के लिए दोषी नहीं होने का अनुरोध किया। पुलिस के आरोपों के मुताबिक 24 मई 2021 को टौकारी बीच पर चोकसी अवैध रूप से डोमिनिका में घुस गया था। हालांकि उसके वकीलों ने आरोप लगाया कि उसका अपहरण कर लिया गया, उसे पीटा गया और उसे जबरन एंटीगुआ से डोमिनिका लाया गया। चोकसी को डोमिनिका चाइना फ्रेंडशिप हॉस्पिटल (डीसीएफएच) में पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है, जहां उनका 29 मई, 2021 से इलाज चल रहा है।

11 जून को, हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश ने भगोड़े व्यापारी को इस आधार पर जमानत देने से इनकार कर दिया कि इसमें उड़ान जोखिम (फ्लाइट रिस्क) है। फ्लाइट रिस्क का मतलब ऐसे व्यक्ति से होता है, जिसके देश छोड़कर भागने की गुंजाइश होती है। चोकसी 23 मई को एंटीगुआ से लापता हो गया था, जिसके बाद बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया था। उसे कथित तौर पर डोमिनिका में पकड़ा गया। 8 जून को भारतीय अधिकारियों ने डोमिनिकन हाईकोर्ट में दायर अपने हलफनामे में चोकसी को एक भारतीय नागरिक के रूप में वर्णित करते हुए कहा कि नागरिकता के त्याग के लिए उनका आवेदन अस्वीकार किया गया है।

प्रियंका गांधी ने सीएम योगी को लिखा पत्र, कहा- यूपी में पत्रकार की मौत की हो सीबीआई जांच

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाए गए एक टीवी पत्रकार की मौत की सीबीआई जांच की मांग की है।

उन्होंने पत्र में लिखा, कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है और अलीगढ़ से प्रतापगढ़ तक शराब माफिया नकली शराब के कारोबार में लिप्त पाए गए हैं, सैकड़ों लोग मारे गए हैं और जो पत्रकार उन्हें उजागर कर रहे थे, उन पर हमला किया गया है। उन्होंने पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद मुहैया कराने की भी मांग की। अपनी मृत्यु से ठीक एक दिन पहले, एक टीवी चैनल के लिए काम करने वाले सुलभ श्रीवास्तव ने शनिवार को उत्तर प्रदेश पुलिस को लिखा था कि जिले में शराब माफियाओं की उनकी हालिया रिपोर्ट के बाद उन्हें खतरा महसूस हो रहा है।

सुरक्षा की मांग करते हुए श्रीवास्तव ने कहा था कि उन्हें सूत्रों द्वारा सूचित किया गया है कि उनकी रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद शराब माफिया उनसे नाराज हैं और उन्हें या उनके परिवार को नुकसान पहुंचाना चाहते थे।

प्रतापगढ़ पुलिस ने कहा है कि पत्रकार की मौत मोटरसाइकिल दुर्घटना में हुई है।

भारतीय सेना ने समर्पित फ्रेट कॉरिडोर हेतु किए रेल परीक्षण

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे द्वारा हाल ही में विकसित डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) देश भर में माल ढुलाई की आवाजाही तेजी से प्रदान करता है। भारतीय सेना ने सोमवार (14 जून, 2021) को डीएफसी की प्रभावकारिता को मान्य करते हुए न्यू रेवाड़ी से न्यू फुलेरा तक वाहनों और उपकरणों से भरी सैन्य गाड़ी को ले जाकर सफल परीक्षण किया। भारतीय सेना द्वारा डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) और भारतीय रेलवे के साथ करीबी और समकालिक समन्वय से सशस्त्र बलों की लामबंदी क्षमता में काफी वृद्धि होगी। ये परीक्षण राष्ट्रीय संसाधनों को अनुकूलित करने और विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के बीच बाधारहित तालमेल की के लिए हॉल ऑफ द नेशन एप्रोच का हिस्सा थे।

भारतीय सेना द्वारा डीएफसीसीआईएल और भारतीय रेलवे सहित सभी हितधारकों के साथ बातचीत से अब सशस्त्र बलों की तैनाती में डीएफसी और संबद्ध बुनियादी ढांचे का लाभ उठाने में सहायता मिलेगी। रोल ऑन-रोल ऑफ (आरओ-आरओ) सेवा पर रक्षा स्वामित्व वाले रोलिंग स्टॉक के कदम को मान्य करने के लिए मोबिलाइज़ेशन और परीक्षणों का समर्थन करने हेतु कुछ स्थानों पर बुनियादी ढांचे के विकास को औपचारिक रूप दिया जा रहा है तथा तौर-तरीके विकसित किए जा रहे हैं।

यह परीक्षण सशस्त्र बलों की अभियान सम्बंधी तत्परता को बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करने के लिए इस प्रक्रिया में पहला कदम है। यह पहल यह सुनिश्चित करने वाली प्रक्रियाओं का निर्धारण करेगी कि योजना के स्तर पर ही राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे के विकास में सैन्य आवश्यकताओं का आपसी मेलजोल हो।

तमिलनाडु में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध समाप्त, समुद्र में बेहद कम नावों को उतरने की संभावना

चेन्नई (आरएनएस)। तमिलनाडु में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध बीती मध्यरात्रि को समाप्त होने के बावजूद गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए कम मछली पकड़ने वाली नौकाओं के समुद्र में जाने की संभावना है। लगभग 1,200 मछली पकड़ने वाली नावें कासिमेदु मछली पकड़ने के बंदरगाह से जुड़ी हुई हैं। इनमें से केवल 350 के मंगलवार के समुद्र में उतरने की संभावना जताई जा रही है।

मछली पकड़ने के बंदरगाह वाले अधिकारियों ने कहा कि अधिकांश मछली पकड़ने वाली नौकाओं को रखरखाव और

मरम्मत की आवश्यकता होती है, इसलिए ये समुद्र में नहीं जा सकती हैं। अधिकारियों ने कहा कि अधिकांश नावें रखरखाव का काम पूरा कर लेंगी और एक पखवाड़े में समुद्र में चली जाएंगी।

मछली पकड़ने के बंदरगाह और मछुआरों के सामने एक और मुद्दा यह है कि रखरखाव के लिए पैसे नहीं हैं क्योंकि ज्यादातर मछुआरे तालाबंदी शुरू होने के बाद से काम नहीं कर रहे हैं।

कासिमेदु बाजार में आने वाले अधिकांश मछुआरे आंध्र प्रदेश और ओडिशा के हैं और इनमें से बड़ी संख्या में मछुआरे लॉकडाउन और नौकरियों की कमी के बाद अपने गृह राज्यों के लिए रवाना हो गए हैं।

वर्तमान में कासिमेदु बाजार के थोक मछली स्टॉल काम कर रहे हैं। लॉकडाउन हटने के साथ खुदरा बाजार भी खोला जाएगा क्योंकि मछुआरा समुदाय जल्द ही खुदरा बाजार खोलने पर सरकार की घोषणा की उम्मीद कर रहा है।

एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के सॉफ्टवेयर इंजीनियर राजेश थॉमस ने कहा, हम कासिमेदु बाजार में नियमित जाते थे, जहां चेन्नई की अधिकांश आबादी मछली खरीदने जाती थी। हालांकि, बाजार बंद था और मछली दुर्लभ थी और अब हम चीजों की एक सप्ताह के समय में सामान्य होने की उम्मीद करते हैं।

एक बार समुद्र में मछली पकड़ने वाली नौकाओं के उपक्रमों की संख्या बढ़ने पर बाजार में हलचल मच जाएगी और अगर कोई नाव गहरे समुद्र में चली जाती है, तो वह एक सप्ताह से अधिक समय में वापस आ जाएगी और उसके बाद ही बाजार सामान्य होने की उम्मीद है।